<u>विद्या भवन बालिका विद्यापीठ</u>

<u>शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय</u>

<u>(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)</u>

कक्षा- पंचम् **तिथि- 11.09.2021**

विषय-_संस्कृत **सुमिता कुमारी**

सुप्रभात बच्चों,

आज आप सब 'संख्या' के बारें में' समझेंगे |

<u>संस्कृत</u>

<u>संख्या</u>

संस्कृत भाषा की संख्याएँ इस प्रकार होती हैं-

***एकः छात्रः – एक छात्र**

***द्वौ बालकौ – दो लड़कें**

***त्रयः अश्वाः – तीन घोड़ें**

***चत्वारः शुकाः – चार तोतें**

***पञ्च पुष्पाणि -पाँच फूल**

*षड् लताः -छः लते

*सप्त अमृतफलानि - सात अमरुद

*अष्ट खगाः - आठ चिड़िया

*नव चित्रकाः – नौ चीतें

*एकादश कन्दुकानि – ग्यारह गेंदें

*द्वादश आम्राणि – बारह आम

*त्रयोदश दाडिमानि – तेरह अनार

*चतुर्दश सेबफलानि – चौदह सेब

*पञ्चदश शशकाः – पंद्रह खरगोश

अभ्यास

1.निम्नलिखित सूक्यत: लिखत:-

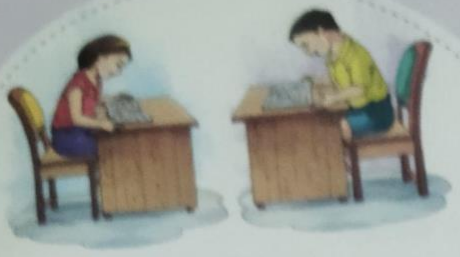

नास्ति विद्या समं चक्षुः।
अर्थ– विद्या के समान नेत्र नहीं है।

परोपकाराय सतां विभूतयः।
अर्थ– सज्जनों की संपत्ति परोपकार के लिए होती है।

नास्ति सत्य समं तपः।
अर्थ– सत्य के बराबर कोई तप नहीं है।

सत्यं वद धर्मं चर।
अर्थ– सत्य बोलो और धर्म का आचरण करो।

मातृदेवो भव।
अर्थ– माँ देवी स्वरूपा हैं।
पितृदेवो भव।
अर्थ– पिता देवता स्वरूप हैं।

आचार्यदेवो भव।
अर्थ– आचार्य देवता स्वरूप हैं।